प्रकाशनार्थ

पटना 25 मार्च। आद्री स्थित पर्यावरण, ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन केंद्र (CEECC) द्वारा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के संरक्षण में बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद (BSPCB) के सहयोग से रिवर लाइफ मैनेजमेंट पर हरित कौशल विकास कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बिहार में गंगा के किनारे रहने वाले कुशल मानव–शक्ति को तैयार करना है जो गंगा नदी की सफाई और प्रबंधन में योगदान दे सकें। पाठ्यक्रम में एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट/सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट/कंबाइंड एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लान (ETP / STP / CETP) पर कठोर प्रशिक्षण शामिल होगा। पाठ्यक्रम के लिए, पटना, दानापुर, सोनपुर और हाजीपुर क्षेत्र के 20 छात्रों का चयन किया गया है, जो एक महीने के प्रशिक्षण से गुजरेंगे। आद्री में आज आयोजित जीएसडीपी के उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद के अध्यक्ष मुख्यवक्ता प्रो. ए. के. घोष और आद्री के निदेशक पी. पी. घोष द्वारा उद्घाटन भाषण दिया गया।

सीईईसीसी के निदेशक डॉ. अविनाश मोहंती ने जीएसडीपी छात्रों के उन्मुखीकरण के दौरान नदी जीवन प्रबंधन कार्यक्रम के बारे में सभी को जानकारी दी। उन्होंने ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के माध्यम से मंत्रालय के विजन के बारे में बताया। प्रो. ए.के. घोष ने गंगा नदी की गंभीर स्थिति और नदी की स्थिति में सुधार के लिए तत्काल आवश्यक कार्यों के बारे में चर्चा की। उन्होंने 20 साल पहले और अब की गंगा नदी की स्थितियों की तुलना की, जो हर साल बढ़ते प्रदूषण की प्रवृत्ति को देखते हुए डरावना है। प्रो. पी.पी. घोष ने सीईईसीसी–आद्री में छात्रों का स्वागत किया और गंगा सफाई के ऐसे महत्वपूर्ण प्रयास का हिस्सा बनने के लिए उनको प्रोत्साहित किया। उन्होंने हमारी नदियों के स्वास्थ्य के प्रति प्रत्येक नागरिक के योगदान को भी रेखांकित किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रशिक्षण के बाद जीएसडीपी छात्रों के योगदान को गंगा सफाई कार्यक्रम के तहत उपयोग किया जा सकता है। रिवर लाइफ मैनेजमेंट पर जीएसडीपी प्रशिक्षण 26 मार्च से 26 अप्रैल, 2019 तक चलेगा। सुश्री प्रज्ञा परमिता गुप्ता, सूचना अधिकारी, सीईईसीसी ने पाठ्यक्रम का अवलोकन प्रस्तुत किया। सीईईसीसी के टीम के सदस्यों ने जीएसडीपी प्रशिक्षुओं को नामांकित किया और इस कार्यक्रम के दौरान अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

(अंजनी कुमार वर्मा)